③ स्थिर होते हैं।

विशिष्ट चालक के प्रकार

ये 6 प्रकार के होते हैं।

① सम्मिलन के विशिष्ट चालक :-

विश्वास के आधार पर व्यक्ति परिस्थितियों का अनुमान करता है।

सुन्दर तितली - सपने में सुन्दर तितली को देखकर प्रत्येक व्यक्ति सोचता है कि काश ऐसी ही मेरी पत्नी भी होती या फिर सपने में कैटरीना कैफ को देखकर एक लड़की यह सोचती है कि काश मेरी भी सुन्दरता ऐसी होती।

② समूह के स्थायित्व का चालक :-

(Residues of the persistance of Aggregates)

किसी क्रिया का पीढ़ी दर पीढ़ी भावनाओं के साथ आगे बढ़ना।

दरगाह में जाने पर सिर पर रूमाल रख लेना, जिससे प्रतीत हो कि हम उनके बिच के ही सदस्य हैं चाहे मन में अल्लाह के प्रति झुकाव हो या ना हो। लेकिन टोपी या रूमाल सिर पर रखकर ही जाना होता है।

Scanned with OKEN Scanner

③ बाह्य क्रियाओं के भावनाओं का विशिष्ट चालक :-

{Residues or needs of the manifestation of sentiments through exterior Acts} यह चालक भावनाओं को उद्वेलित करता है।

Eg. किसी एक व्यक्ति के हार बारात आ जाने पर पूरा गाँव भावनाओं के साथ हो जाता और उस व्यक्ति का सहयोग करता है। या
इण्डियन (Indian) क्रिकेट टीम की हार हो जाने पर पूरा देश एक साथ हताश हो जाता है।

④ सामाजिकता का विशिष्ट चालक :-
(Residues in regard to sociability) :- यह चालक समाज के आचरण एवं व्यवहार को व्यक्ति के लिये प्रेरित करता है।

Eg. कक्षा में सभी विद्यार्थियों का एक ड्रेस कोड में होना। जिससे कक्षा में रहने वाले विद्यार्थियों के बिच भेदभाव न होने पाये।

(5) व्यक्तित्व सम्बन्धी विशिष्ट चालक :-

(Residues of the personality) ये चालक व्यक्ति के स्तर को ऊँचा उठाने की प्रेरणा देते हैं।

Eg. ईसाई समुदाय या वे मिशनरियाँ जो भारत में आकर अपना प्रचार व प्रसार करती हैं और उन स्थितियों में व्यक्ति अपने पथ पर दृढ़ रहता है और पाश्चात्य संस्कृति में अपनी व्यक्तित्व को बनाये रखता है।

(6). काम-सम्बन्धी विशिष्ट-2 चालक :-

(Sexual Residues) :- व्यक्ति के अन्दर जब काम-वासनाओं की इच्छा जागती है तो उसमें ये चालक अपने योगदान देते हैं और इन वासनाओं को नियन्त्रण करने के लिये सामाजिक निषेध लागू किये जाते है।